एक गंभीर चूक

यह आलेख सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र-III (आंतरिक सुरक्षा) से संबंधित है।

द हिन्दू

08 जनवरी, 2022

पीएम की यात्रा के लिए एक बेहतर प्रोटोकॉल और आवश्यक हो तो एसपीजी का पुनर्निमाण भी किया सकता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सुरक्षा व्यवस्था में चूक, जिसके कारण उनका काफिला बुधवार को पंजाब के फिरोज़पुर के पास एक फ्लाईओवर पर लगभग 20 मिनट तक फंसा रहा, वास्तव में एक गंभीर मुद्दा है जैसा कि केन्द्रीय गृह मंत्रालय ने कहा है।

लेकिन पंजाब सरकार और राज्य पुलिस को तुरंत दोष देकर, केंद्रीय पदाधिकारियों ने आरोप-प्रत्यारोप का खेल शुरू कर दिया जिससे घटना की निष्पक्ष और विश्वसनीय जांच की संभावना समाप्त हो गई।

दो समानांतर जांच की घोषणा की गई है, एक केंद्र द्वारा और दूसरी राज्य द्वारा, दोनों पर सोमवार तक रोक लगाई गई है जब भारत का सर्वोच्च न्यायालय इस मुद्दे पर एक याचिका पर सुनवाई करेगा।

भारत में राष्ट्रीय सुरक्षा पर चर्चा हमेशा तेज होती है लेकिन कम से कम प्रधानमंत्री की व्यक्तिगत सुरक्षा से जुड़ी इस चर्चा को और अधिक संयमित होना चाहिए था। केंद्रीय मंत्रियों और भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारियों ने इसे एक और नई दिशा में बदल दिया, और अतिशयोक्ति का सहारा लिया। भारत अपने प्रधानमंत्री की सुरक्षा को बहुत गंभीरता से लेता है। आखिरकार इस देश ने एक मौजूदा प्रधानमंत्री, एक पूर्व प्रधानमंत्री और राष्ट्रपिता के रूप में पूजनीय नेता को खोया है। विशेष सुरक्षा समूह (एसपीजी), 2020 में लगभग ₹600 करोड़ के बजट के साथ और लगभग 3,000 कर्मियों के पास सिर्फ एक ही काम है- एक व्यक्ति की रक्षा करें, "देश के प्रधानमंत्री की"।

जिस महत्वपूर्ण प्रश्न की जांच की जानी है वह यह है कि बठिंडा से फिरोजपुर तक सड़क मार्ग से 100 किलोमीटर से अधिक की यात्रा करने का निर्णय किसने लिया और क्या करना चाहिए और यह निर्णय लेने में क्या इनपुट दिए गए। प्रधानमंत्री के लिए लगभग दो घंटे सड़क पर रहने की सलाह देने से जुड़ी प्रक्रिया की जांच की जानी चाहिए।

यह भी निर्णय लिया गया कि प्रधानमंत्री को मूल रूप से योजना के अनुसार हेलीकॉप्टर का उपयोग नहीं करना चाहिए। मार्ग को एक आकस्मिक योजना के रूप में अग्रिम रूप से पहचाना गया था, लेकिन इसका उपयोग करने का निर्णय अंतिम क्षण में किया गया था- एक ऐसा संस्करण जिस पर राज्य और केन्द्र सरकार दोनों सहमत हैं। गलत संचार, गलत सूचना और गलत निर्णय से जुड़े विभिन्न परिदृश्य संभव हैं। मार्ग को अवरुद्ध करने वाले प्रदर्शनकारी कथित तौर पर प्रधानमंत्री की यात्रा से अनजान थे। जैसा कि केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा, ''जवाबदेही तय की जानी चाहिए और खामियों को दूर किया जाना चाहिए।''

राज्य और केंद्र के आपसी अविश्वास को देखते हुए अब सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में जाँच विश्वसनीय तरीके से मामले की तह तक जाने का एक अच्छा तरीका हो सकता है।

इस प्रकरण से प्रधानमंत्री की यात्रा के लिए एक अधिक कुशल प्रोटोकॉल और यदि आवश्यक हो तो एसपीजी का पुनर्निमाण भी होना चाहिए। इस बीच, इस मुद्दे पर फालतू बातें, जुमलेबाजी और चुनावी प्रचार से हर कीमत पर बचना चाहिए।

संभावित प्रश्न (प्रारंभिक परीक्षा)

प्र. एसपीजी सुरक्षा बल निम्नलिखित में से किसकी सुरक्षा करती है?

(क) भारतीय प्रधानमंत्री

(ख) भारतीय राष्ट्रपति

(ग) पूर्व प्रधानमंत्री

(घ) उपर्युक्त सभी

Expected Question (Prelims Exams)

Q. SPG Security Force protects which of the following?

(a) Indian Prime Minister

(b) President of India

(c) Former Prime Minister

(d) All of the above

संभावित प्रश्न (मुख्य परीक्षा)

प्र. प्रधानमंत्री की सुरक्षा से जुड़ी कार्यप्रणाली को समझाते हुए इसे और बेहतर करने के पांच सुझाव कारण सहित प्रस्तुत करें। (250 शब्द)

Q. Explaining the functioning of the Prime Minister's security, present five suggestions with reasons to improve it further. (250 Words)

नोट :- अभ्यास के लिए दिया गया मुख्य परीक्षा का प्रश्न आगामी UPSC मुख्य परीक्षा को ध्यान में रख कर बनाया गया है। अतः इस प्रश्न का उत्तर लिखने के लिए आप इस आलेख के साथ-साथ इस टॉपिक से संबंधित अन्य स्त्रोतों का भी सहयोग ले सकते हैं।